10 उत्सव मनाएँ

0338CH10

गतिविधि 1 आइए, एक दिवाली गीत सुनें और सीखें

जगमग आई दिवाली

बोल

जगमग जगमग आई दिवाली
खुशियाँ ढेर लाई दिवाली
जगमग जगमग आई दिवाली

दीप जले हैं घर-घर देखो
रंगोली से सजा है आँगन
रोशन की लड़ियाँ हैं ताली
जगमग जगमग आई दिवाली

नए-नए कपड़े पहने हैं
नई-नई चीजें हैं आई
नई-नई सी गलियाँ सजा ली
जगमग जगमग आई दिवाली

करते हैं लक्ष्मी का पूजन
और लेते आशीष बड़ों का
फिर करके बढ़िया-सा भोजन
हँसते-खेलते गाना गाते
फूलझड़ी और चकरी जला ली
जगमग जगमग आई दिवाली

जगमग जगमग आई दिवाली
खुशियाँ ढेर लाई दिवाली
जगमग जगमग आई दिवाली

गीत के बारे में

यह गीत दिवाली का वर्णन करता है, जो भगवान राम के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला दीपोत्सव है। इस दिन लोग नए कपड़े पहनते हैं और अपने घरों को दीयों से रोशन करते हैं। चारों तरफ उल्लास और उत्साह का वातावरण होता है।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 2 आइए, संस्कृत में एक नववर्ष गीत सुनें और सीखें

बोल

क्षणं प्रति क्षणं यं नवम् नवम्
तच्च सुन्दरम् सच्च तच्चिवम्

वर्ष नूतनं ते शुभं मुदम्
उत्तरोत्तरं भवतु सिद्धिदम्

© NCERT not to be republished

गीत के बारे में

जो सदैव नया और ताजा है, वही अच्छा, वास्तविक और सुंदर है। यह नव वर्ष आपके लिए सौभाग्य, खुशियाँ और सफलता लेकर आए।

संगीतकार – स्वामी तेजोमयानंद

गतिविधि 3 चलिए, एक क्रिसमस गीत सुनें और सीखें

जिंगल बेल्स

बोल

डैशिंग थ्रू द स्नो,
इन वन-हॉर्स ओपन स्लेज।

ओवर द फील्ड्स वी गो,
लाफिंग ऑल द वे।

बेल्स ऑन बोबटेल्स रिंग,
मेकिंग स्पिरिट्स ब्राइट।

वॉट फन इट इज टू राइड एंड
सिंग ए स्लेइंग सांग टूनाइट।

ओह! जिंगल बेल्स, जिंगल बेल्स,
जिंगल ऑल द वे।

ओह! वॉट फन इट इज टू राइड
इन ए वन-हौर्स ओपन स्लेज। हे!

गीतकार और संगीतकार – जेम्स लॉर्ड पियरपोंट

आनंदपूर्ण तथ्य

क्रिसमस के समय लोग समूह में एकत्रित होते हैं और एक साथ क्रिसमस गीत गाते हैं जो कैरलिंग कहलाता है।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 4 आइए, ईद के लिए एक गीत सुनें और सीखें

आओ, ईद मनाएँ

बोल

आओ ईद मनाएँ
एक-दूजे के संग
तोड़े नफरत की दीवार
गले लगाए प्यार से

घर को दीपों से सजाएँ
भेदभाव को मन से मिटाएँ

नए कपड़ों के संग
मेहंदी और चूड़ियों के रंग

दावत की खुशियाँ मनाएँ
छोटे-बड़ों के साथ

खुदा से माँगें दुआएँ हम
नाना-नानी दादा-दादी
ईद मुबारक और करम

गीत के बारे में

'आओ ईद मनाएँ' गीत एकता, प्रेम और भाईचारे के साथ ईद का त्यौहार मनाने के बारे में है। यह गीत घरों को सजाने, नफरत को मिटाने, नए कपड़े पहनने और परिवार के साथ मिलकर आनंदपूर्वक त्यौहार मनाने को कहता है। यह ईश्वर और बड़ों से आशीर्वाद लेने के महत्व को भी बताता है।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 5 आइए, भगवान बुद्ध को समर्पित एक गीत सुनें और सीखें

बोल

बुद्धं शरणं गच्छामि
धम्मं शरणं गच्छामि
सघं शरणं गच्छामि

बुद्धं शरणं गच्छामि
धम्मं शरणं गच्छामि
सघं शरणं गच्छामि

गीत के बारे में

भगवान बुद्ध को समर्पित इस प्रार्थना में उपासक भगवान बुद्ध और धर्म की शरण में जाने की प्रार्थना करते हैं।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 6 आइए, साथ में एक देशभक्ति गीत सीखें और गाएँ

आइए, एक ऐसा गीत सीखें जो हमें बताएगा कि भारत भूमि को प्रकृति किस प्रकार घेरे हुए है।

गीत के ताल पर ध्यान दीजिए। यह कहरवा ताल– ध गे न ती न क धी न है।

बोल

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं

बेला गुलाब जूही चम्पा चमेली –2

प्यारे-प्यारे फूल गूंथे माला में एक हैं
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं

गंगा यमुना ब्रह्मपुत्र कृष्णा कावेरी –2

जाके मिल गई सागर में हुई सब एक हैं
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं

कोयल की कूक प्यारी पपीहे की टेर न्यारी –2

गा रही तराना बुलबुल राग मगर एक है
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं

संगीतकार– पण्डित विनय चन्द्र मुद्गल

© NCERT not to be republished

गतिविधि 7 मिलकर गाएँ!

नीचे दिए गए गीत को ऑनलाइन सुनें एवं साथ में गाएँ—

हमको मन की शक्ति देना

बोल

हमको मन की शक्ति देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें

भेदभाव अपने दिल से साफ़ कर सकें
दोस्तों से भूल हो तो माफ़ कर सकें
झूठ से बचे रहें, सच का दम भरें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें

मुश्किलें पड़ें तो हम पे, इतना कर्म कर
साथ दें तो धर्म का, चलें तो धर्म पर
खुद पे हौसला रहे, बदी से ना डरें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें

गीतकार – गुलजार
संगीतकार – वसंत देसाई

© NCERT not to be republished

अर्थ

इस गीत में हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे हमारे मन को विश्वास से भरा हुआ और सुदृढ़ बनाएँ।

हे ईश्वर, हमको शक्ति देना कि हम अपने मन को अपने वश में रख सकें जिससे हम स्वयं को नकारात्मक विचारों से बचा सकें और योग्य बना सकें।

हम अपने मन से भेदभाव मिटा सकें। दूसरों से गलती होने पर भी उन्हें क्षमा कर सकें। हम असत्य की राह से बचकर सत्य की राह पर चलें।

हम जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी अपने धर्म और कर्तव्य से कभी न डिगें। हमें सदैव स्वयं पर विश्वास रहे और हम कभी भी किसी से न डरें।

© NCERT not to be republished